



# बुकी की बहन ने क्या कहा



✎ Nina Orange  
🔒 Wiehan de Jager  
📄 Nandani  
🗣️ Hindi  
📊 Level 4



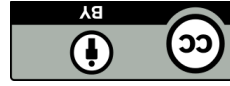
# Storybooks Mauritius

[global-asp.github.io/storybooks-mauritius](https://global-asp.github.io/storybooks-mauritius)

## बुकी की बहन ने क्या कहा

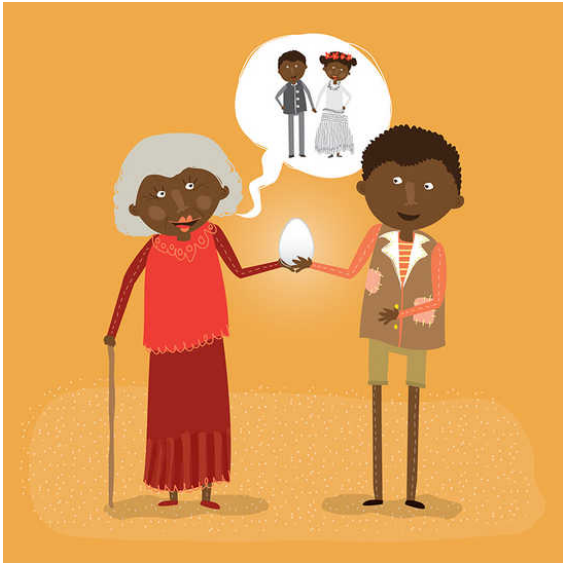
Written by: Nina Orange  
Illustrated by: Wiehan de Jager  
Translated by: Nandani

This story originates from the African Storybook ([africanstorybook.org](https://africanstorybook.org)) and is brought to you by Storybooks Mauritius in an effort to provide children's stories in Mauritius's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons Attribution 3.0 International License.

<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>



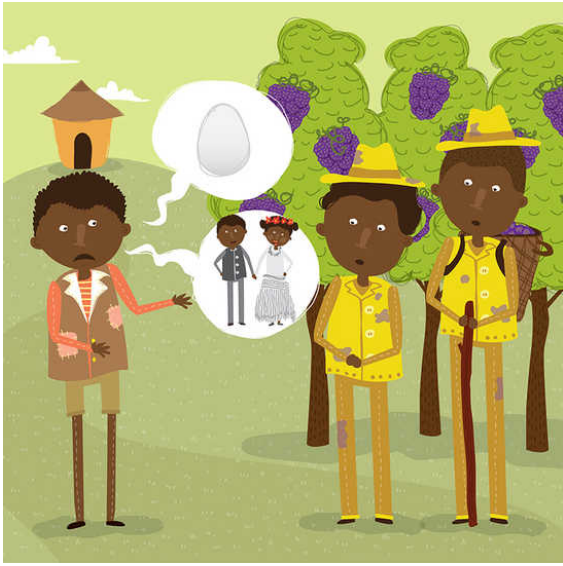
एक दिन सुबह सुबह वुसी की दादी ने उसे बुलाया, “वुसी, कृपया इन अंडों को अपने माता-पिता के पास ले जाओ। वे तुम्हारी बहन की शादी के लिए एक बड़ा सा केक बनाना चाहते हैं।”

माता-पिता के पास जाते समय रास्ते में, वृक्षी फल बटोरते वाले दो लड़कों से मिलता। एक लड़के ने वृक्षी से अंडा छीना और उसे पेड़ पर फेंक दिया। अंडा टूट गया।



वृक्षी ने ऐसा ही किया।  
 पहनी और आधी हम मिलकर इस दिन का जश्न मनाते हैं!" और फिर पड़ता! हम सभी यहाँ साथ में हैं, मैं खुश हूँ। अब वृक्षी से कपड़े सच में उपहारों से कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे केक से भी कोई फर्क नहीं पड़ता। वृक्षी में भेरे भाई, मुझे फिर वह बोलो, "वृक्षी देर सोचा, फिर वह बोली, "वृक्षी में भेरे भाई, मुझे



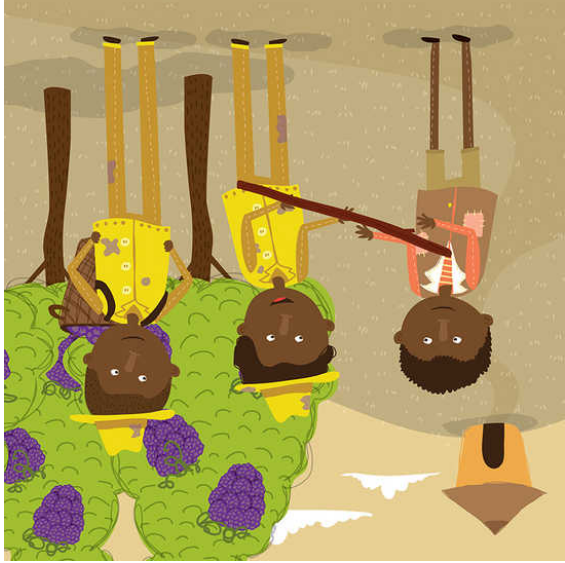


वुसी ने रोते हुए कहा “ये तुमने क्या किया?” “वे अंडे केक के लिए थे। वह केक मेरी बहन की शादी के लिए था। अगर मेरी बहन को शादी का केक नहीं मिल पाया तो वो क्या कहेगी?”

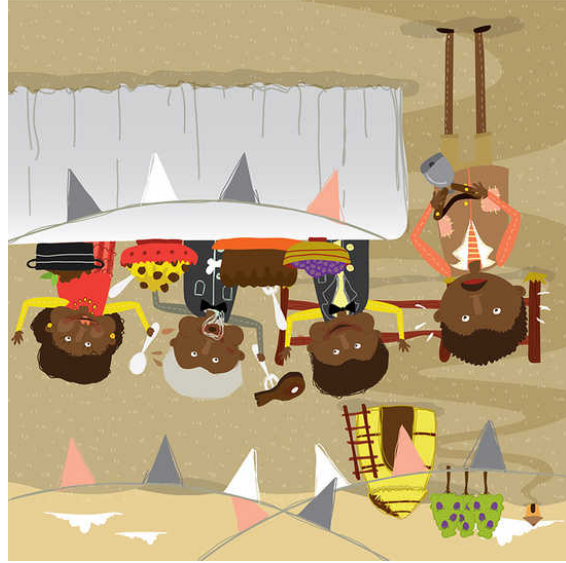


“मैं क्या करूँ?” वुसी रोने लगा। “राजमिस्त्रियों से से मिले भूसे के बदले में उपहार में मिली गाय भाग गई। राजमिस्त्रियों ने मुझे भूसा इसीलिए दिया था क्योंकि उन्होंने फलवालों से मिली छड़ी को तोड़ दिया था। फलवालों ने मुझे छड़ी इसलिए दी थी क्योंकि उन्होंने मेरे अंडे तोड़ दिए थे जो केक के लिए थे। केक शादी के लिए था। अब न तो अंडा है, न केक, और न ही उपहार”।

लडके वस्ती का परेशान करने के लिए शक्तिशाली थे। "हम केक का तो कुछ नही नही कर सकते, लेकिन अपनी बहन के लिए एक चने वाली छड़ी तैयार करके रखना हमारे लिए है।" एक नई कढ़ाई, "एक नई कढ़ाई, एक नई कढ़ाई।"



लेकिन गाय रात के समय दौड़ कर किसान के पास वापस आ गई। और वस्ती रास्ता खोज गया। वह अपनी बहन की शादी में बहुत देर से पहुँचा। लेकिन पढ़ने से ही खाना खा रहे थे।





रास्ते में वह दो आदमियों से मिला जो घर बना रहे थे। उनमें से एक ने पूछा “क्या हम उस मजबूत छड़ी का प्रयोग कर सकते हैं?” पर वह छड़ी मकान के लिए मजबूत नहीं थी, और वह टूट गई।

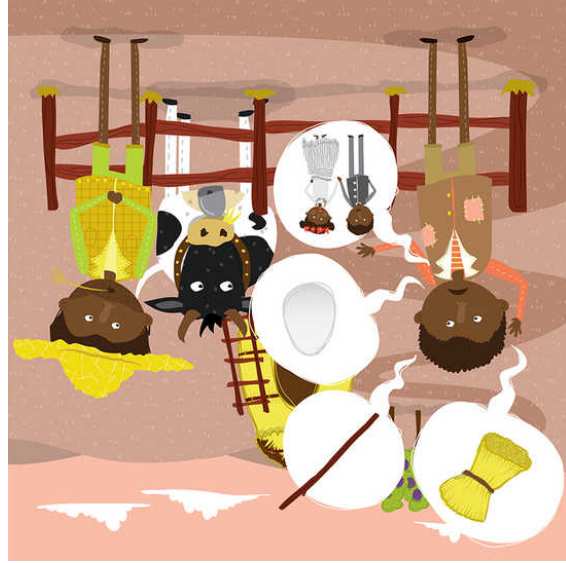


गाय को पछतावा हुआ कि उसने लालच किया। किसान उसकी बहन के उपहार के रूप में गाय देने के लिए तैयार हो गया। वुसी गाय को अपने साथ ले जाने लगा।

“यह तुमने क्या किया?” वृसी रोया। “यह छड़ी मेरी बहन के लिए उपहार था। इसे फलवालों ने मेरी बहन को दिया था क्योंकि उन्होंने उसके केक के लिए अंडे तोड़ दिए थे। केक मेरी बहन की शादी के लिए था। अब न अंडा है, न केक, और नहीं ही कोई उपहार। मेरी बहन क्या करेगी?”

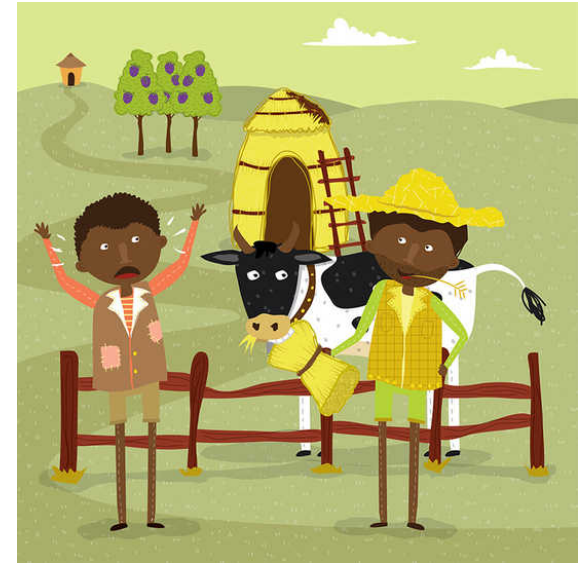


“यह तुमने क्या किया?” वृसी रोया। “वह भ्रंसा मेरी बहन के लिए उपहार था। राजमिखियाँ ने मुझे दिया था वह भ्रंसा क्योंकि उन्होंने फलवालों से मिली छड़ी का तोड़ दिया था। फलवालों ने मुझे इसलिए दिया क्योंकि उन्होंने मेरी बहन के केक के लिए मिसे अंडे को तोड़ दिया था। केक मेरी बहन की शादी के लिए था। अब ना तो अंडा है, न केक, और ना कोई उपहार। मेरी बहन क्या करेगी?”





राजमिस्त्री छड़ी तोड़ने पर दुखी थे। उनमें से एक ने कहा “हम केक का तो कुछ नहीं कर सकते, पर तुम्हारी बहन के लिए हमारे पास कुछ भूसा है, ले जाओ “। और फिर वुसी ने अपना सफ़र जारी रखा।



रास्ते में, वुसी किसान और एक गाय से मिला। “क्या स्वादिष्ट भूसा है, क्या इसे मैं थोड़ा सा खा सकती हूँ?” गाय ने पूछा। पर भूसा इतना स्वादिष्ट था कि गाय ने उसे पूरा ही खा लिया!